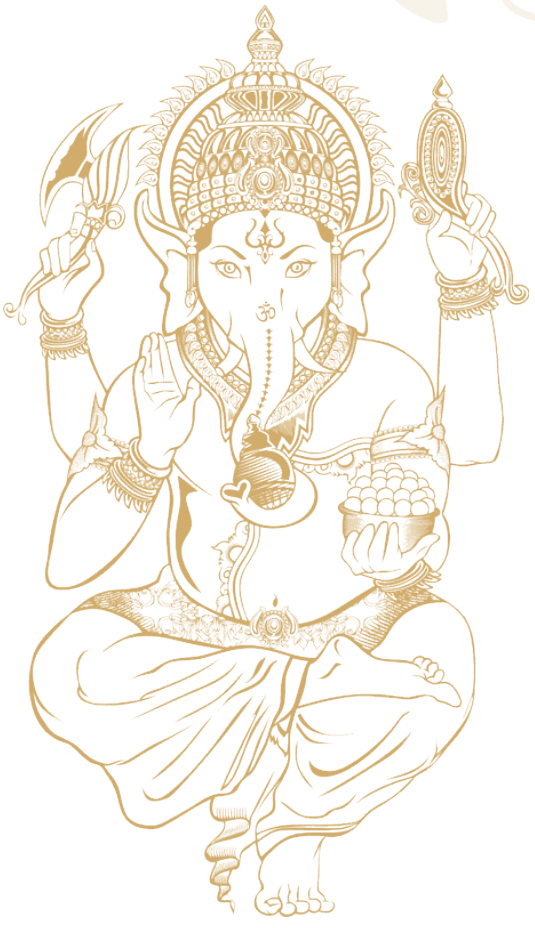

Mr.rajat

Ms.koushallya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120611602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/06/2001	जन्म तिथि	05/12/2005
रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 05:57:00	जन्म समय	19:15:00 घंटे
घटी 00:43:20	जन्म समय(घटी)	30:03:09 घटी
India	देश	India
Bikaner	स्थान	Nokha
28:01:00 उत्तर	अक्षांश	27:35:00 उत्तर
73:22:00 पूर्व	रेखांश	73:29:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:36:32	स्थानिक संस्कार	-00:36:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:39:39	सूर्योदय	07:12:21
19:32:22	सूर्यास्त	17:41:05
23:52:20	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:20

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 9वर्ष 10मा 11दि	28:32:45	वृष	लग्न	मिथु	12:39:11	चन्द्र 8वर्ष 4मा 14दि
राहु	25:20:03	वृष	सूर्य	वृश्चि	19:35:21	राहु
21/04/2018	10:10:52	मक	चंद्र	मक	12:10:12	20/04/2021
21/04/2036	00:04:20	धनु व	मंगल व	मेष	14:26:23	21/04/2039
राहु 02/01/2021	04:54:26	मिथु व	बुध	वृश्चि	00:59:00	राहु 01/01/2024
गुरु 28/05/2023	28:36:06	वृष	गुरु	तुला	14:34:59	गुरु 27/05/2026
शनि 03/04/2026	09:33:45	मेष	शुक्र	मक	01:17:42	शनि 02/04/2029
बुध 20/10/2028	12:29:05	वृष	शनि व	कर्क	17:12:33	बुध 20/10/2031
केतु 08/11/2029	12:30:10	मिथु	राहु व	मीन	17:32:24	केतु 07/11/2032
शुक्र 08/11/2032	12:30:10	धनु	केतु व	कन्या	17:32:24	शुक्र 08/11/2035
सूर्य 02/10/2033	00:54:49	कुंभ व	हर्ष	कुंभ	13:04:02	सूर्य 01/10/2036
चन्द्र 03/04/2035	14:40:11	मक व	नेप	मक	21:19:01	चन्द्र 02/04/2038
मंगल 21/04/2036	19:54:03	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	29:58:02	मंगल 21/04/2039

लग्न-चलित

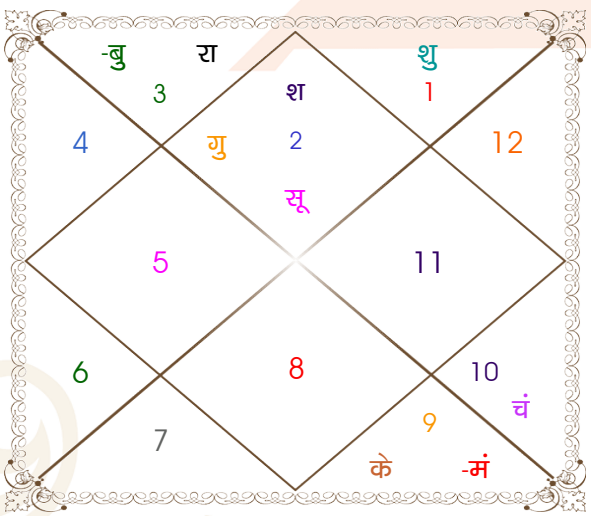

लग्न-चलित

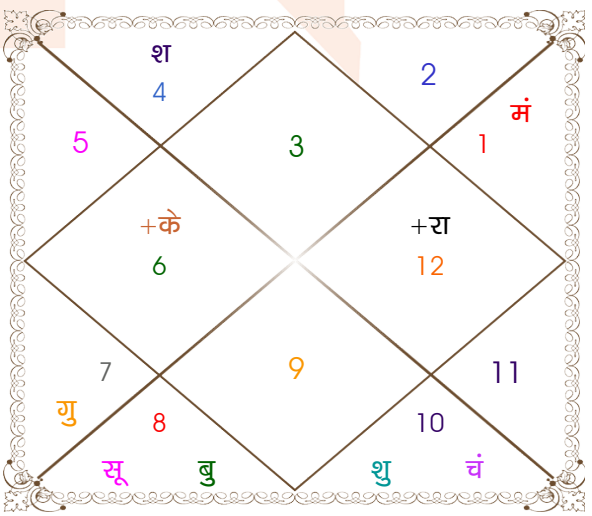

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	वानर	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr.rajat का नक्षत्र श्रवण है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डेणवर्नीससलं का नक्षत्र श्रवण है।

Mr.rajat का वर्ग मार्जार है तथा डेणवर्नीससलं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.rajat और डेणवर्नीससलं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.rajat मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

डेणवर्नीससलं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेणवर्नीससलं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.rajat तथा डेणवर्नीससलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।